भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. **+4786**

सोमवार, **22** जुलाई, 2019/**31** आषाढ़, 1941 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

ब्रेंग घाटी में पर्यटन विकास

+4786. श्री हसनैन मसूदीः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार कोकेरनाग, डांडीपुरा, डाकसम जैसे पर्यटन स्थल वाली ब्रेंग घाटी को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने पर विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार घाटी में स्वास्थ्य पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए स्वास्थ्यवर्धक स्थलों के रूप में इन स्थलों को विकसित करने पर विचार कर रही है;

(ग) क्या सरकार चटाबल शंगुस को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने पर विचार कर रही है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से (घ) : पर्यटन स्थलों की पहचान एवं विकास करना मुख्य रूप से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों का उत्तरदायित्व है। पर्यटन मंत्रालय स्वदेश दर्शन और प्रशाद योजनाओं के अन्तर्गत देश में पर्यटन अवसंरचना तथा सुविधाओं के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केन्द्रीय अभिकरणों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

उपरोक्त योजनाओं के तहत परियोजनाएं राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से चिह्नित की जाती हैं और संगत योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति,निधियों की उपलब्धता और पूर्व में निर्मुक्त निधियों की उपयोगिता की शर्त पर स्वीकृत की जाती हैं।

उपरोक्त मानदण्ड के आधार पर, मंत्रालय ने वर्ष 2016-17 में "जम्मू और कश्मीर में हिमालयन परिपथ: अनन्तनाग-किस्तवाड़-पहलगाम-दक्सुम-रंजीत सागर बांध का विकास" परियोजना के तहत चट्टपाल, कोकरनाग तथा दक्सुम में पर्यटक सुविधाएं जैसेकि पर्यटक सुविधा सेवाओं सहित जेंडर आधारित शौचालय, ठोस कचरा प्रबंधन, लॉग हट्स, कैफेटेरिया, सुरक्षा केबिन, भूदृश्यांकन और सौन्दर्यीकरण, पाथवे, प्रदीप्तिकरण इत्यादि के विकास के लिए निधियां स्वीकृत की हैं।

****